ये ऐसे क्यू हो रहा है?

संकीर्तन रस दास

डॉ. संजीवन देवधर

MBBS, MSc (Pharmaceutical Medicine), MBA (Marketing)

dr.deodhar@gmail.com, 9225112215

हम ये अच्छी तरह से जानते है

विज्ञान दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगती कर रहा है ः
लेकीन विज्ञान के उद्देश्य की सफलता प्रश्नांकीत है

विश्व शांती की चर्चा चारो ओर है ः लेकीन गृह शांती का अनुभव भी अब मुश्किल सा लगता है

हम ये अच्छी तरह से जानते है

डॉक्टर स्पेशालिस्ट से सुपर स्पेशालिस्ट बन गये ः

लेकीन वही सारे समाज के और खुदके स्वास्थ को लेकर चिंतीत है

जीवन के हर एक पेहलु में स्थिती कम अधिक मात्रा में ऐसी ही है

क्यू?

क्या आप इन लोगोंको जानते है ?

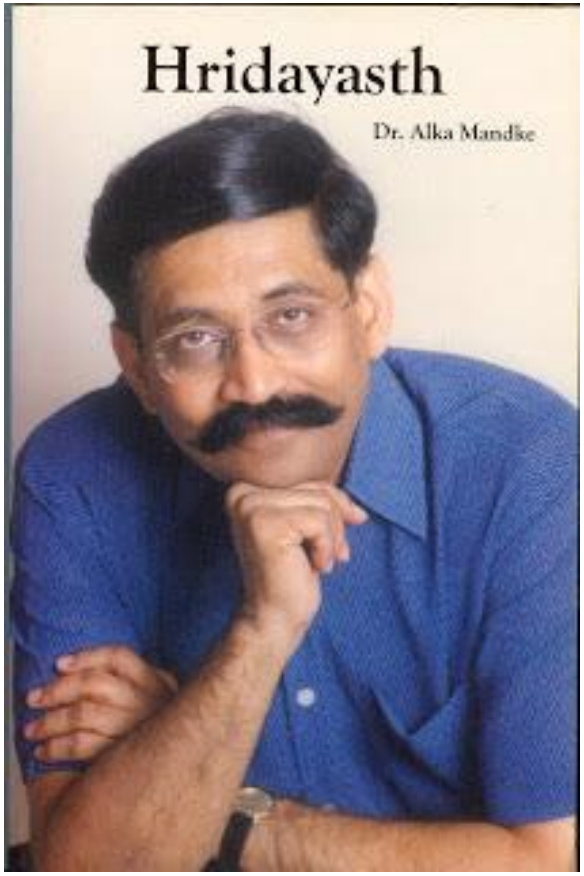

हिंदुहृदय सम्राटांचे हृदय माझ्या हातात आहे

क्या आप इन लोगोंको जानते है ?

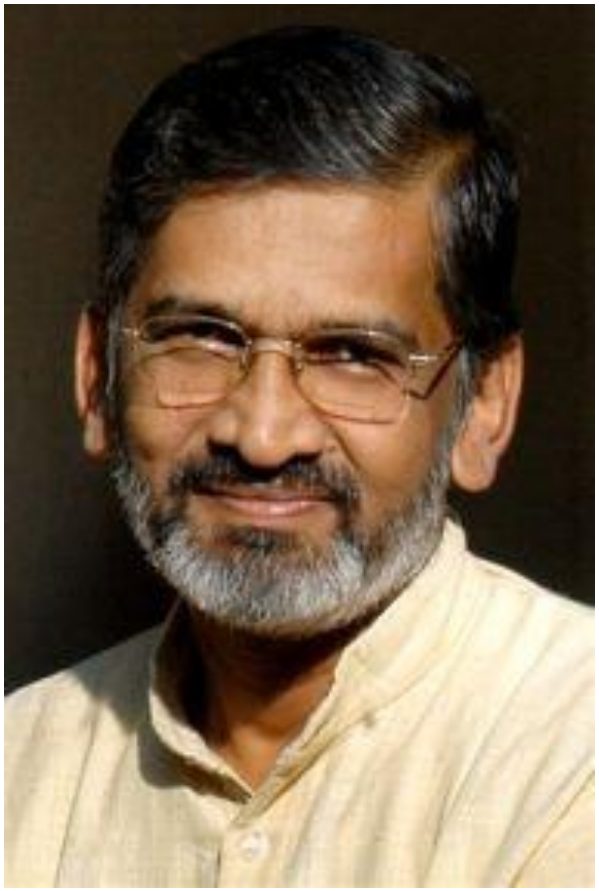

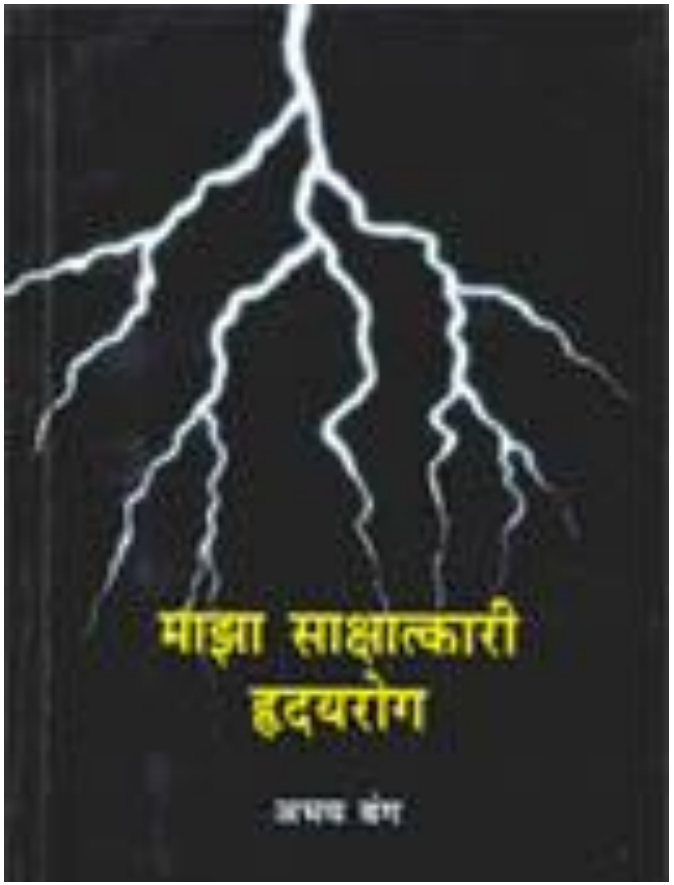

५ साल के बाद पुनः हृदयविकार का तीव्र झटका

क्या आप इन लोगोंको जानते है ?

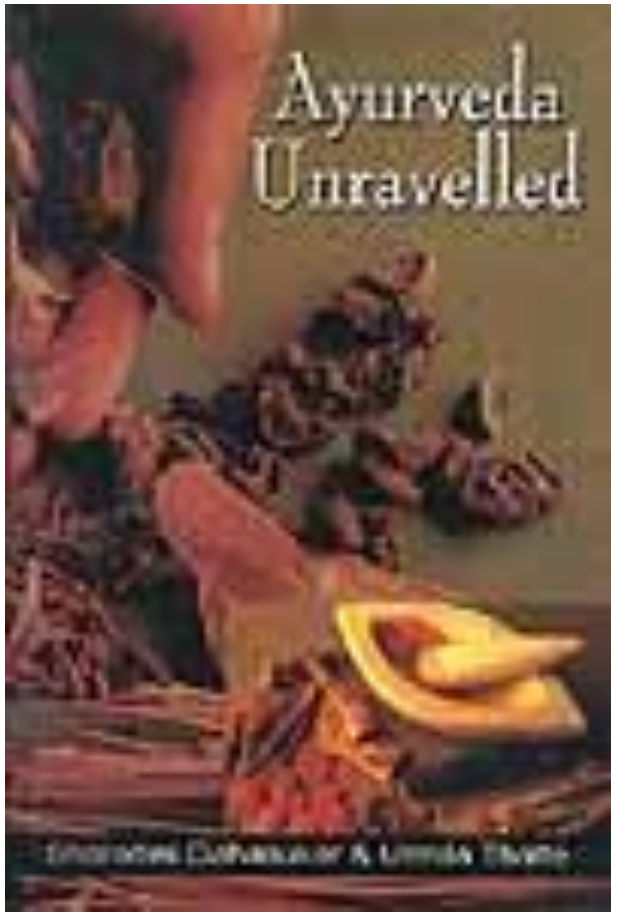

एक मधुमेह के दवाई के विपरीत परिणामों के कारण मृत्यू

लेकीन इस घटना से में सबसे जादा प्रभावित हुवा

In a shocking incident, a **22-year old medical graduate** from Grant Medical college and JJ Hospital died following a cardiac arrest last night. Ironically the student **Santosh Shirodkar** was to take his oath today before launching into his career as a doctor.

लेकीन इस घटना से में सबसे जादा प्रभावित हुवा

Around **12.30 am** on Friday, Shirodkar was walking back with a group of friends to the boys' hostel in the JJ campus after spending some time at Astitwa -- when he suddenly collapsed.

He was rushed to the casualty unit by his friends. Following an emergency resuscitation attempt, he even managed to speak a few words. He was shifted to the ICCU but died at **1.15 am.**

आरोग्य आंखिकी (Health statistics)

- सन १९१० केवल १० प्रतिशत लोग बिमार और सन २०१० में ७० प्रतिशत
- २१ वी शताब्दीकी सबसे बडी बिमारी ः Depression
- सन २०५० में भारत के हर ३ आदमीओं में १ मधुमेहग्रस्त होगा

आरोग्य सांख्यिकी (Health statistics)

- क्या यह है वैद्यकिय क्षेत्र की प्रगती ?

- आपका अनुभव क्या है ?

स्वास्थ्य की व्याख्या

WHO - Health is a state of complete physical, mental, social and spiritual well-being and not merely the absence of disease or infirmity.

स्वास्थ्य की व्याख्या

समदोषःसमाग्निश्च समधातुमलक्रियः |

प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाःस्वस्थ इत्यभिधीयते ||

जिनकी दोष अग्नि धातु मल आदि की क्रिया नियमीत है और जिनके **आत्मा इंद्रिय आणि मन** प्रसन्न है वह स्वस्थ है

समस्या के निराकरण हेतु प्रथम खुदको जाने ?

इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः ।
मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः ॥ ३.४२ ॥

ईंद्रियां जड पदार्थों की अपेक्षा श्रेष्ठ है मन इंद्रियोंसे बढकर है
बुद्धी मन से भी उच्च है और वह आत्मा बुद्धीसे भी बढकर है

हमारे इस पंचकोशात्मक अस्तित्व को जानना महत्वपूर्ण है

समस्या की नयी व्याख्या ?

हम हमारे पूर्ण विकास से वंचित है

आजकी पाश्चात्य संस्कृती विचारधारा एवं समाज प्रणाली हमारे संपूर्ण विकास में बाधक है

आज का तथाकथित विकास

.....कल की बडी समस्या बन जाती है

वैदिक जीवन दृष्टी

सृष्टीकी उत्पत्ती **चेतन** तत्त्वसे हुवी है

सृष्टीका रक्षण एवं पोषण करना यह मानव का कर्तव्य है

जीवन का लक्ष **मुक्ती** है

पाश्चात्य जीवन दृष्टी

सृष्टीकी उत्पत्ती **जड** तत्त्वसे हुवी है

सृष्टीका स्वयं के उपभोग के लिये इस्तमाल करना मानव का अधिकार है

जीवन का लक्ष **भुक्ती** ः **पापमुक्ती व स्वर्ग है**

वैदिक जीवन दृष्टी

व्यक्तिगत पारीवारिक

सामाजिक जीवन का आधार **आध्यात्म** है

सामाजिक जीवन एवं व्यवहार का केंद्र **परिवार** है

आर्थिक व्यवहार का एकक **ग्राम** है . अर्थव्यवस्था के सुत्रोंका आधार **आवश्यकता**

पाश्चात्य जीवन दृष्टी

व्यक्तिगत पारीवारिक

सामाजिक जीवन का आधार **भौतिकवाद** है

सामाजिक जीवन एवं व्यवहार का एकक **व्यक्ती** है

आर्थिक व्यवहार का एकक **व्यवसाय** है . अर्थव्यवस्था के सुत्रोंका आधार **इच्छा**

वैदिक जीवन दृष्टी

जीवन **आत्मतत्त्व** का ः भगवदशक्ती का विस्तार है

जीवन **अखंड** रूपसे जन्म जन्मातंर चलता है

मनुष्य आत्मा होने के कारण **अमर** है

जीवन में **विविधता** को प्राधान्य है

पाश्चात्य जीवन दृष्टी

जीवन **उत[redacted]तीवाद** का फलीत है

जन्मजन्मांतर की संकल्पना नही है

मनुष्य का जन्म यह **पाप** का परिणाम है

जीवन में **प्रमाणितता** को अधिक प्राधान्य है

वैदिक जीवन दृष्टी

काल **चक्र** है

सृष्टि परस्पर **संतुलन** पर आधारभूत है

भाग्य विशेषरूपसे **कर्माधीन** है

जीवन पद्धती के अनुशिलनसे **सत्वगुण** का प्रभाव बढता है

भक्ती करना **सहज** एवं नैसर्गिक हो जाता है

पाश्चात्य जीवन दृष्टी

काल **रेखिय** है

सृष्टिपर मानव का **अधिपत्य** है

भाग्य केवल **प्राधीन** है

जीवन पद्धती के अनुशिलनसे **रजोगुण** का प्रभाव बढता है

भक्ती और भौतिक विकास एक **विरोधाभास** हो जाता है

जीवन का विरोधाभास!

ज्यादा औषधी	कम स्वास्थ्य
बढता स्वामित्व	गिरते नैतिक मुल्य
बाहरी जगत पर विजय	अंतरंग से पराजित
उच्चतम कमाई	निम्न आदर्श
अधिक विशेषज्ञ	कम हल

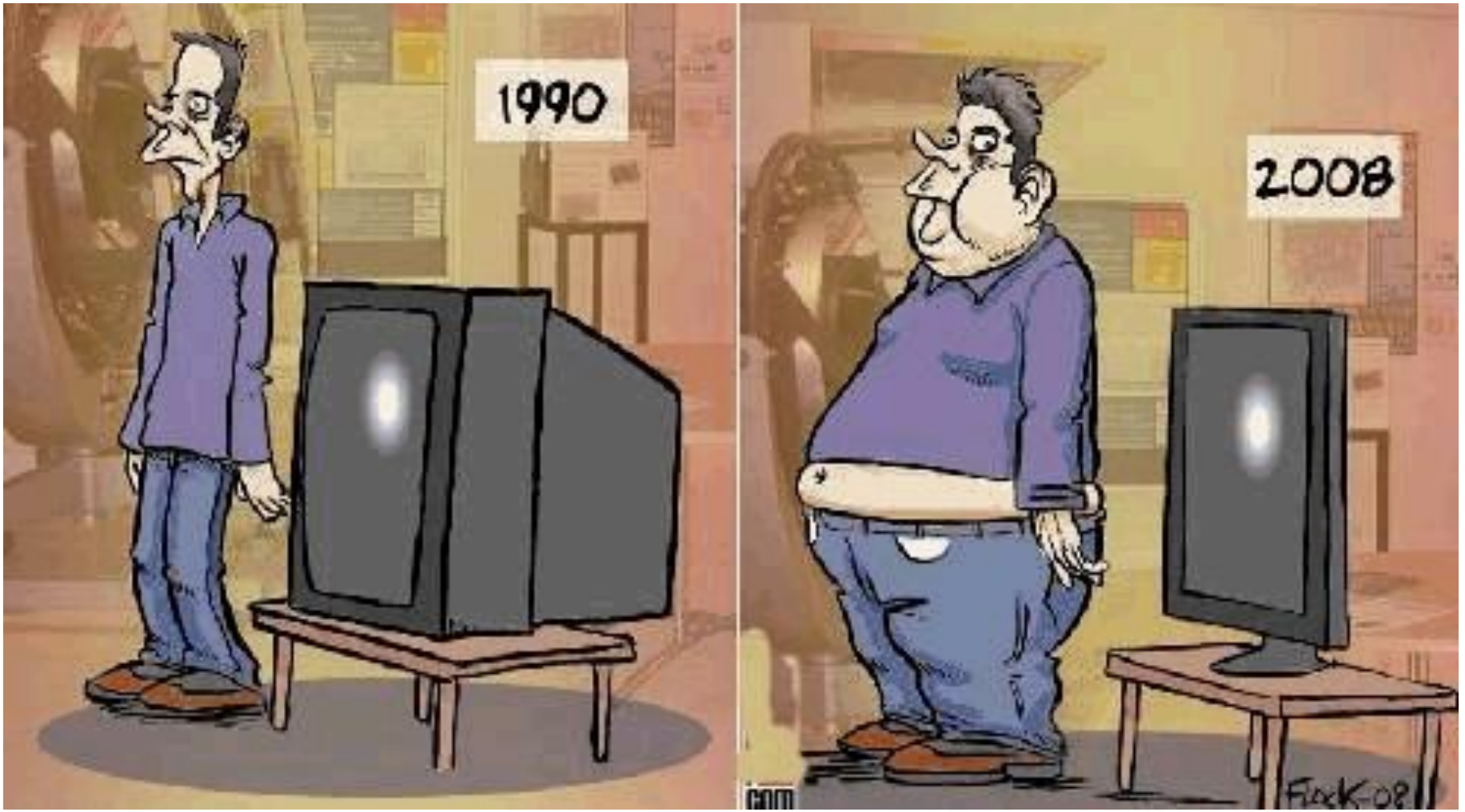
1990
2008

स्वास्थ विषयक विरोधाभास

आधुनिक वैद्यकशास्त्र हमें स्वस्थ जीवन जीना नही सिखाते

वह हमें बिमार होने पर जल्दी अच्छा करने का प्रयास करते है

केवल शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करते है ः आहार
Vitamins & microneutrients

मानसिक सामाजिक एवं आध्यात्मिक आवश्यकताओं को
अनदेखा करते है ः विहार

आचार रसायन : चरक चिकित्सा

१. हमेशा प्रिय एव सत्य कथन किजीये

२. काम □ध को जितीये

३. □ज्ञता : वरिष्ठों का आदर किजीये

४. जीवनविषयक ज्ञानसाधना : ईर्षा लोभ पर विजय

५. ध्यान : योग : सेवा

६. सात्विक आहार

७. सत्संग

सही समस्या

1. **Procrastination** ः टाळाटाळ करण्याची प्रवृत्ती
2. **Lethargy** ः आळस्य
3. **Inconsistency** ः सातत्यपूर्ण व्यवहारका अभाव
4. **Wrong Role Models** ः गलत आदर्श
5. **Lack of visioning** ः दूरदृष्टी का अभाव

मुझे मिला हुवा एकमेव **Logical solution**

भगवद्गीता यथारूप

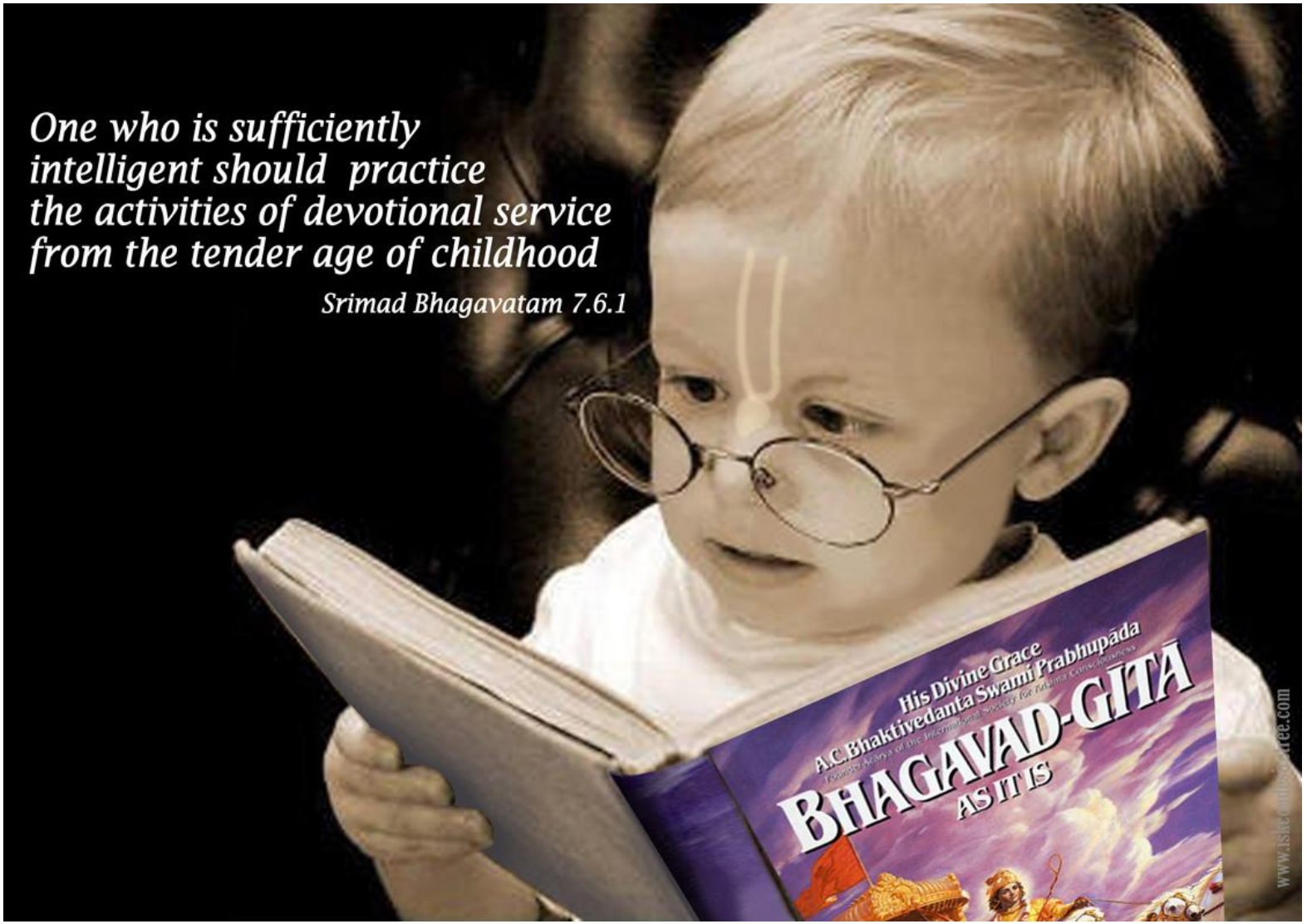
One who is sufficiently
intelligent should practice
the activities of devotional service
from the tender age of childhood
Srimad Bhagavatam 7.6.1
His Divine Grace
A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupāda
BHAGAVAD-GITA
AS IT IS

तो अब क्या करें

असतो माऽसत् गमय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

मृत्योर्माऽमृतम् गमय

हरे कृष्ण हरे कृष्ण
कृष्ण कृष्ण हरे हरे |

हरे राम हरे राम
राम राम हरे हरे | |

संदर्भ सुचि

१. भगवद्गीता जशी आहे तशी : श्रील प्रभुपाद

२. चरक संहिता

3. PSM text book

4. 7 habits of highly effective people

५. पंचकोषात्मक विकास : पुनरूत्थान विद्यापीठ

६. आरोग्य व्याख्यान : श्रीमान राजीव दीक्षित

7. vgs@bhaktivedantahospital.com